KISAN POST GRADUATE COLLEGE, BAHRAICH (U.P.) 271801

(Autonomous)
Affiliated to Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya

Proposed Structure of syllabus for the
PROGRAM: B.A.
SUBJECT: Hindi

Syllabus developed/proposed by

S.No.	Name	Designation	Department	College/University
1.	Mr. Neeraj Kumar Pandey	Convenor	Hindi	Kisan P.G. College Bahraich
2.	Prof. Pawan Agrawal	Member(University Nominee)	Hindi	University of Lucknow, Lucknow
3.	Prof. Prakash Chandra Giri	Subject Expert	Hindi	M.L.K.P.G.College Balrampur
4.	Prof. Puneet Bisariya	Subject Expert	Hindi	Bundelkhand University, Jhansi
5.	Mr. Chandra deo Singh Vishen	Member	Hindi	Kisan P.G. College Bahraich
6.	Dr. Gyanendra Mani Tripathi	Member	Hindi	Kisan P.G. College Bahraich
7.	Dr. Gazala Khatoon	Member	Hindi	Kisan P.G. College Bahraich

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों हेतु न्यूनतम एकीकृत पाठयक्रम स्नातक पाठयक्रम के प्रश्न–पत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्न–पत्र विषय : हिन्दी साहित्य

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्न–पत्र का शीर्षक	लिखित / प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
बी0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्टम्	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्टम्	A010602T	आधुनिक अवधी काव्य	लिखित	05

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- कम्प्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के हिन्दी काव्य प्रश्न–पत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के अतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर प्रश्न–पत्र के अंतर्गत हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोजगार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के हिन्दी गद्य प्रश्न–पत्र के बंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकरों एवं अन्य गद्य विधाओं क`लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विधार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के हिन्दी अनुवाद प्रश्न–पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के वैश्विक प्रचार प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न–पत्र साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना के अंतर्गत विधार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय–क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न–पत्र हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं सिनेमा की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विधार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न–पत्र भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें हिन्दी की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न–पत्र लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के अंतर्गत विधार्थियों को भारतीय संस्क ृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विधार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

PROPOSED STRUCTURE OF BA HINDI SYLLABUS

PROGRAMME	YEAR	SEMESTER	THEORY/ PRACTICAL	COMPULSORY/ELECTIVE	COURSE TITLE	CREDITS	TEACHING	ELECTIVE (FOR OTHER FACULTY/ DEPARTMENTS)
CERTIFICATE IN HINDI	I	FIRST SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी काव्य	6	90	ALL FACULTIES
		SECOND SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	6	90	ALL FACULTIES
DIPLOMA IN HINDI	II	THIRD SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी गद्य	6	90	ALL FACULTIES
		FOURTH SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी अनुवाद	6	90	ALL FACULTIES
DEGREE IN HINDI	III	FIFTH SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	5	75	ALL FACULTIES
		FIFTH SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	5	75	ALL FACULTIES
		SIXTH SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	5	75	ALL FACULTIES
		SIXTH SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	5	75	ALL FACULTIES

PROGRAMME/CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITTLE: हिन्दी काव्य	

Course outcomes:
हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

CREDITS:6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I.	**भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकासः** भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्यए हिंदी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्यि, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद	12
II.	आदिकालीन कविः विद्यापतिः (विद्यापति पदावली–संपाः आचार्य रामलोचन शरण) क. राधा की वंदना, ख. श्रीकृष्ण प्रेम (35), ग राधा प्रेम–(36) गोरखनाथः (गोरखबानी : संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी(संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10,11) अमीार खुसरोः (अमीर खुसरो –व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली– घ (1), गीत–ड़(4), (13), दोहे–च (पृष्ट 86),05 दोहे– गोरी सोवे, खुसरो रैन,देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी।	12
III.	भक्तिकालीन सगुण कविः सूरदासः (भ्रमरगीत सार–संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ला) (पद संख्या–07,21,23,24,26)11 गोस्वामी तुलसीदासः10 (श्रीरामचरित मानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड–दोहा संख्या 28से 41	10
IV.	**भक्तिकालीन निर्गुण कविः** कबीरः (कबीरदास– संपा. श्यामसुंदर दास) क. गुरूदेव को अंग –01,06,11,17,20। ख– बिरह कौ अंग –04,10,12,20,33 मलिक मोहम्मद जायसीः (मलिक मोहम्मद जायसी–संपा.– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मनसरोदक खंड (01 से 06 पद तक)	11
V.	**रीतिकालीन कविः** केशवदासः (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश) – लाला भगवानदीन) तृतीय प्रभाव– 1,2,4,5 बिहारीलालः (बिहारी रत्नाकर–जगन्नाथ दास रत्नाकर) प्रारंभ के 10 दोहे घनानंदः (घनानंद ग्रन्थावली–संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 1,4,7	10
VI.	**आधुनिककालीन कविः** भारतेंदु हरिश्चंद्रः माातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे जयशंकर प्रसादः कामायनी के श्रद्धा सर्ब के प्रथम दास पद, आंसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः वर दे वीणा वादिननि वर दे, तुलसीदास (प्रारंभ के दस पद), वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पन्त : मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितनी देती है महादेवी वर्माःबीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, फिर विकल हैं विकल हैं प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	11
VII.	(अ) छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोधः अश्रेयः नही के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की	11
	मुक्तिबोधः विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुनः अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देख है धर्मवीर भारती : बोआई का गीत, कविता की मौत (दूसरा सप्तक, सम्पादक अज्ञेय) धूमिलः मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध	

	शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्त्व	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation Methods:
कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

वाचन

Course prerequisites:
To study this course, a student must have had the subject……in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बहराइच
स्थापित
1960
सा विद्या या विमुक्तये

PROGRAMME/CLASS/CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010201T	**COURSE TITTLE:** कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	
Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यो की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यो को सुगमतापूर्वक कर सके उवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य में सक्षम होकर रोजगार प्राप्त कर सकें।		
CREDITS:6	**MAX. MARKS: 25+75**	**MIN. PASSING MARKS: 10+30**
Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I.	कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्रः कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II.	कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषित शब्दावलीः शब्दावली निर्माण के सिद्धांत कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवंविधिक शब्दावली	11
III.	कार्यालयी हिन्दी पत्राचारः आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञाप विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	12
IV.	प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदनः प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पणी का अर्थ,सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण का पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लिखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	11
V.	हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रमः कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर मे हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	11
VI.	हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकीः इन्टरनेट और हिन्दी, ईमेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11
VII.	हिन्दी भाषा और ई–शिक्षणः इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई–पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई–पाठशाला, स्वयं मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
VIII.	(अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोधः हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण (ब) हिन्दी साहित्य मे शोध शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पदन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य	12
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों मे जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाईपिंग पीपीटी एवं पोस्टर बनाना	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject……in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……

PROGRAMME/CLASS: CERIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: III
SUBJECT: Hindi		
COURSE CODE: A010301T	**COURSE TITTLE:** हिन्दी गद्य	

Course outcomes: हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों,एकांकीकारों, एवं निबंधकारों तथा अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महात्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सके और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इछुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

CREDITS:6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	Numbers of Lecture
I.	**हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचयः** कहानी उपन्यास नाटक एकांकी आलोचना निबंध यात्रा वृत्तान्त संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	12
II.	**हिन्दी उपन्यासः** झाँसी की रानीः वृन्दावनलाल वर्मा, विद्यार्थी संस्करण, संपादक डॉ पुनीत बिसारिया, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली	12
III.	**हिन्दी कहानीः** पंच परमेश्वर–प्रेमचन्द पाजेब–जैनेन्द्र गैंग्रीन–अज्ञेय परदा–यशपाल तीसरी कसम–रेणु पिता–ज्ञानरंजन	11
IV.	**हिन्दी नाटक एवं एकांकीः** नाटकः ध्रुवस्वामिनी–जयशंकर प्रसाद11 एकांकी दीपदान–डॉ. राम कुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत–उपेन्द्र नाथ अश्क	11
V.	**हिन्दी निबंधः** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मित्रता–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी उत्तरा फाल्गुनी के आसपास– कुबेरनाथ राय तुम चंदन हम पानी–डॉ विद्यानिवास मिश्र	11
VI.	**अन्य गद्य विधाएं– प्रथम खण्डः** रेखाचित्र (गिल्लू–महादेवी वर्मा) संस्मरण (तीस बरस का साथी– रामविलास शर्मा) जीवनी अंश (कलम का सिपाही–अमृत राय) रिपोर्ताज (ऋण जल धन जल–रेणु) व्यंग्य (भोलाराम का जीव–हरिशंकर परसाई)	11
VII.	**अन्य गद्य विधाएं– द्वितीय खण्डः** यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा– राहुल सांकृत्यायन) डायरी (एक लेखक की डायरी – मुक्तिबोध) इन्टव्यू(मै इनसे मिला, श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– पद्म सिंह शर्मा कमलेश) आत्मकथा अंश (जूठन– ओमप्रकाश वाल्मीकि)	11
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य वाचन	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject…….in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	BA II YEAR	SEMESTER: IV
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010401T	COURSE TITTLE: हिन्दी अनुवाद	

Course outcomes:

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वाताावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS:6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	
I.	अनुवाद अवधारणः अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप अनुवाद के अन्य रूपः लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवाद के गुण,दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	11
II.	अनुवाद के क्षेत्रः प्रक्रिया प्रकार सीमाएं अंग्रेजी–हिन्दी अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान	11
III.	अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भः संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV.	अनुवाद के साधनः अनुवाद मे कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशो के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	11
V.	पारिभाषिक शब्दावलीः पारिभाषिक शब्दः तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI.	अनुवाद का पुनरीक्षण मूल्यांकन तथा समीक्षाः पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	12
VII.	अनुवाद सैद्धांतिकी– एकः (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII.	अनुवाद सैद्धांतिकी– दोः (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) सामाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	

Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject.....in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions: .....

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010501T	COURSE TITTLE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	

Course outcomes:

इस पाठ्यक्रम से अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ महत्त्व और उनके विषय क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।

CREDITS:6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	
I.	भारतीय काव्यशास्त्र काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप काव्य की आत्मा	09
II.	भारतीय काव्य सिद्धांत अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत	09
III.	साहित्यशास्त्रीय अवधारणएँः काव्य रूप काव्य गुण शब्द शाक्ति काव्य दोष	09
IV.	नाट्यशास्त्रः भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएँ	09
V.	पाश्चात्य काव्यशास्त्रः अरस्तूः अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिजः कल्पना और फैंटेसी वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचड्र्स का संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	09
VI.	हिन्दी आलोचना का सिद्धांत तथा सैद्धांतिकीः हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वछन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	10
VII.	समीक्षा की विचारधाराएंः नयी समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद और उत्तर संरचनावाद विखण्डनवाद	10
VIII.	आलोचक एवं आलोचना दृष्टिः रामचन्द्र शुक्लः काव्य मे लोकमंगन प्रेमचन्दः साहित्य का उद्देश्य प्रसादः छायावाद और यर्थाथवाद हजारी प्रसाद द्विवेदीः अधुनिक साहित्य–नयी मान्यताएं डॉ. नगेन्द्रः मेरी साहित्यिक मान्यताएं रामविलास शर्माः तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य	10

	नामवर सिंहः कहानीः नई और पुरानी मुक्तिबोधः नई कविता का आत्मसंघर्ष	
	इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: पुस्तक समीक्षा	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject……in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

……

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010502T	COURSE TITTLE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	
Course outcomes: हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों मे राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना।		
CREDITS:6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30
Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	
I.	वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्यः चंदबरदाईः पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज), जगनिकः आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश(गया न कीन्ही जिन कलजुग मां.... .....भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे.....लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II.	भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्यः गुरू गोविन्द सिंहः देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की भूषणः इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने निल म्यान में मयूखैं, दारून दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	09
III.	भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्यः भारतेंदु हरिश्चंद्रः उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहैं, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरूजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔधः कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्तः आर्य मातृभूमि	09
IV.	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्यः जयशंकर प्रसादः प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरूण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिताठी 'निराला' भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदीः पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहानः वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V.	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्यः बालकृष्ण शर्मा नवीनः कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंटों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकरः शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI.	स्मकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरणः श्यामनारायण पाण्डेयः चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरीः उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपाल प्रसाद व्यासः खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा लेरे	10
VII.	स्मकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरणः सोहनलाल द्विवेदीः मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटलबिहारी वाजपेयीः कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' मातृ वंदना, हम भारतवासी	10
VIII.	**हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्यः** **कवि प्रदीपः** आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत–1943) **कवि प्रदीपः** ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी (गैर फिल्मी) **कवि प्रदीपः** हम लाए हैं तूफान से कश्ती निकाल के (जाग्रति–1954) **कवि प्रदीपः** आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति–1954) **साहिर लुधियानवीः** ये देश है वीर जवानों का (नया दौर–1957) **प्रेम धवनः** छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी–1961) **नीरजः** ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला–1961) **कैफी आजमीः** कर चले हम फिदा जाने तन साथियों (हकीकत–1964) **राजेन्द्र कृष्णः** जहाँ डाल–डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा (फिल्म–सिकंदर–आजम–1965) **गुलशन बावराः** मेरे ऐश की धरती सोना उगले (उपकारः 1967) **इन्दीवरः** है प्रीत जहाँ की रीत सदा (पूरब और पश्चिम–1971) **प्रसून जोशीः** देस रंगीला रंगीला देस म्हारा रंगीला (फना–2006)	10
	सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य): सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा– आनंदमठ हकीकत उपकार	
	शहीद गाँधी उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक केसरी	

	सन्दर्भ ग्रन्थः 1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि. 2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंडया और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्कण, सन् 1906. 3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2017 4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2014 5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम 6. श्याम सुंदर दास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण 7. सिंह, डॉ. महीप, गुरू गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन् 1969, प्रथम संस्करण 8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकोमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2017 9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि. 10. ब्रजर दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी 11. गिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरूणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सल 1932 12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन् 2008 13. व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी 14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद 15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014 16. अरूण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020 17. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007 18. Kavitakosh.org 19. Epustakalay.Com 20. Ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India) 21. Hindigeetmala.net	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evalution Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।	
	Suggested Continuous Evalution Methods: 1. फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य 2. वाचन	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject……..in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested quivlent online courses: ……	
	Futher Suggestions:	

At the End of the whole syllabus any remaks/suggestions:

……

.

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010502T	COURSE TITTLE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	

Course outcomes:

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

CREDITS:5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I.	**भाषा एवं भाषाविज्ञान कासामान्य परिचयः** भाषाः परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषाविज्ञानः परिभाषा, प्रकार, क्षेत्रए शाखाएँ	09
II.	**भाषिक संरचना तथा स्तरः** ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III.	**हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोतः** हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार–बाह्य प्रयत्र, आभ्यंतर प्रयत्र, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
IV.	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचयः** पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	09
V.	हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थितिः राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VI.	**देवनागरी लिपिः** नामकरण उछभव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VII.	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययनः** क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विका	10

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. शर्मा आचार्य वेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञानकी भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंजनयी दिल्ली, 1972
2. द्विवेदीकपिलदेव, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्माडॉ. रामकिशोर, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
5. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपिका ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्माराजमणि, हिंदी भाषारू इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. तिवारी भोला नाथ, भाषा विज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
8. वर्माडॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरी हरदेव, हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017 बाहरीहरदेव, हिन्दीउद्भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42वॉ संस्करण, 2018

This couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject……..in class/12th/certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online course: ……
Futher Suggeestins: ……

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

……

PROGRAMME/CLASS: DIPLOMA	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010502T	COURSE TITTLE: आधुनिक अवधी काव्य	

Course outcomes:
आधुनिक अवधी रचनाओं एवं कवियो से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना। अवधी बोली, क्षेत्र, स्वरूप के विकास का अध्ययन कराना।

CREDITS:5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials0 Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I.	अवधीः बोली का क्षेत्र, स्वरूप एवं व्याकरिणक परिचय। आधुनिक अवधी कवियों का संक्षिप्त परिचय।	09
II.	बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' • मनई • स्वनहुली स्यामा • घसियारिन • उयि का जानिन हम को आहिन? • सूखि डारि	09
III.	बंशीधर शुक्ल • राम मड़ैया • राजा की कोठी • हुवॉ कस–कस होई निरवाह • महँगाई • बदरा आय जा रे।	09
IV.	आचार्य विश्वनाथ पाठक– सर्वमंगला से • स्वतंत्रता का मंत्र • सुराज की स्थापना	09
V.	त्रिलोचन : अमोला से • 25 बरवै	10
VI.	चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' • अइसी कविता ते कौनु लाभ? • धरती हमारि, धरती हमारि • बड़प्पन • ध्वाखा होइगा • बरखा की अवाती	10
VII.	पारस नाथ भ्रमर • कहाँ गई निबिया जवान • फगुनही बयार • पुरवइया गीत • कौन मेर वह बंदा • बरवै	10
VIII.	द्रुत पाठः गुरू प्रसाद सिंह मृगेश आद्या प्रसाद मिश्र उन्मत्त	

Suggested Readings:

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. वाणी प्रकाशन नई दिल्ली डॉ सरोज शुक्लाः आधुनिक अवधी काव्य लोक जीवन और संस्कृति
2. भारती पब्लिकेशन्स अयोध्या, जगदीश पीयूषः अवधी साहित्य सर्वेक्षण एवं समीक्षा
3. भवदीय प्रकाशन अयोध्या, डॉ0 सूर्य प्रसाद दीक्षितः आधुनिक अवधी काव्य
4. राज कमल प्रकाशन नई दिल्ली, सम्पादक अमरेंद्र नाथ त्रिपाठीः आधुनिक अवधी कविता

This couse can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject……..in class/12th/certificate/diploma.
सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online course:
……..

Futher Suggeestins:
……..

किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बहराइच
स्थापित
1960
सा विद्या या विमुक्तये